लूका 16:16 “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता यूहन्ना तक ही थे; उसके बाद से परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार सुनाया जाता है
और हर कोई उसमें बलपूर्वक प्रवेश करता है।”

भाइयों और बहनों, इस वचन के अंतिम भाग पर ध्यान दीजिए “हर कोई उसमें बलपूर्वक प्रवेश करता है।”

जब प्रभु यीशु ने यह कहा, तो वे दिखाना चाहते थे कि पुराने नियम (व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं) के समय परमेश्वर को जानना अपेक्षाकृत आसान था। लेकिन जब से यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला आया और सच्चे सुसमाचार का प्रचार शुरू हुआ वह सुसमाचार जो पापों की क्षमा और परमेश्वर की पूर्ण पहचान देता है तब से इसमें प्रवेश करना कठिन हो गया। अब इसके लिए साहस, दृढ़ता और बल लगाना आवश्यक है।

उन दिनों फरीसी और शास्त्री खुलेआम यीशु को माननेवालों को रोकते थे। यूहन्ना 9:22 में लिखा है कि यदि कोई यीशु को मसीह मान ले, तो उसे सभा (सिनागॉग) से निकाल दिया जाता था। उस समय सभा से निकाला जाना समाज और परिवार से पूर्ण बहिष्कार के समान था। यह

एक गंभीर दंड था।

इसलिए लोगों को परमेश्वर के राज्य में आने के लिए बड़ा जोखिम उठाना पड़ता था समाज से अलग होना, परिवार को खो देना पर वे फिर भी राज्य के लिए बलपूर्वक आगे बढ़ते थे।

आज भी यही स्थिति है। बहुत से धार्मिक अगुवे आपको रोकते हैं क्योंकि उनकी परंपराएँ बाइबल से मेल नहीं खातीं। कोई मूर्तिपूजा सिखाता है, कोई पवित्र आत्मा के वरदानों को नकारता है। लेकिन प्रभु यीशु ने कहा:

लूका 11:52 “हाय तुम व्यवस्था के जाननेवालो! तुमने ज्ञान
की कुंजी छीन ली है; तुम स्वयं उसमें प्रवेश नहीं करते और जो प्रवेश करना चाहते हैं उन्हें भी रोकते हो।”

इसलिए भाई-बहन, धर्म के परंपरागत बंधनों को छोड़ दीजिए। पाप से तौबा कीजिए, उद्धार को स्वीकार कीजिए और बाइबल के अनुसार सही बपतिस्मा लीजिएपानी में डूबकी देकर, यीशु मसीह के नाम से (प्रेरितों के काम 2:38; यूहन्ना 3:23)। छींटे का बपतिस्मा कहीं भी शास्त्रों में नहीं है।

भले ही आपके परिवार या मित्र आपको न समझें, संसार आपको मूर्ख कहे फिर भी राज्य में बलपूर्वक प्रवेश कीजिए। अपनी आत्मा को बचाइए और उन लोगों से दूरी रखिए जो आपके उद्धार के मार्ग में बाधा डालते हैं।

मत्ती 11:12 “यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के दिनों से अब तक स्वर्ग का राज्य बल से लिया जाता है और बल लगानेवाले उसे छीन लेते हैं।”

प्रभु यीशु ने यह भी कहा:
मत्ती 10:34-39 “यह मत सोचो कि मैं पृथ्वी पर शांति स्थापित करने आया हूँ; मैं शांति नहीं, पर तलवार लाने आया हूँ। … मनुष्य के शत्रु उसके ही घर के लोग होंगे। जो अपने पिता या माता को मुझसे अधिक प्रेम करता है, वह मेरे योग्य नहीं। …
जो अपना क्रूस उठाकर मेरे पीछे नहीं चलता, वह मेरे योग्य
नहीं। जो अपने प्राण को बचाना चाहता है, वह उसे खो देगा; और
जो मेरे कारण अपने प्राण को खो देता है, वह उसे पाएगा।”

भाइयों और बहनों, उद्धार आज मुफ्त में उपलब्ध है, लेकिन यह आसान नहीं है। इसके लिए साहस और बलपूर्वक आगे बढ़ना होगा। जब आप ऐसा करेंगे, तो प्रभु यीशु स्वयं आपको गहराई से प्रकट होंगे और आपके जीवन में चलेंगे।

ये अंत के दिन हैं। प्रभु का आगमन निकट है।
मरानाथा!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp